भारत सरकार
संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं0 145
उत्तर देने की तारीख - 16 अगस्त, 2013

तार-सेवा को बंद किया जाना

***145. डा0 भारतकुमार राऊत :**

क्या संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) संचार की प्राचीनतम सेवाओं में से एक तार को हाल ही में बंद कर दिए जाने के क्या कारण हैं ;
(ख) देश में कुल कितने तार सेवा केन्द्र कार्यरत थे और उनमें कितने-कितने कर्मचारी कार्यरत थे तथा इस सेवा को बंद कर दिए जाने के बाद इन कर्मचारियों का क्या होगा ;
(ग) क्या सरकार ने इस सेवा को बंद करने का निर्णय लेने से पहले कर्मचारी संघों से विचार-विमर्श किया था;
(घ) सरकार ऐसे दूरस्थ गांवों/रक्षा संस्थानों को कौन सा वैकल्पिक संचार-साधन उपलब्ध कराने जा रही है, जहां केवल तार-सेवा की सुविधा ही उपलब्ध थी; और
(ङ) सरकार तार के स्थान पर ऐसी अन्य कौन सी वैकल्पिक व्यवस्था करने जा रही है जोकि न्यायालयों में साक्ष्य के रुप में स्वीकार्य हो ?

उत्तर

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी और विधि एवं न्याय मंत्री (श्री कपिल सिब्बल)

(क) से (ङ) : विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

जारी...2/-

राज्य सभा में " **तार-सेवा को बंद किया जाना** " के बारे में दिनांक 16.08.2013 को पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं0 145 के भाग (क) से (ङ) के संबंध में सभा-पटल पर रखा जाने वाला विवरण।

(क): भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा 15.07.2013 से तार सेवाओं को इसलिए बंद कर दिया गया है क्योंकि तार सेवाओं की तुलना में संचार के नए माध्यम ज्यादा किफायती, तेज और विश्वसनीय हैं जिसके कारण विगत में इन तार सेवाओं का इस्तेमाल कम हुआ है और बीएसएनएल के राजस्व अर्जन में कमी हुई है।

(ख): तार सेवा समाप्त करने के समय देश में 75 तार सेवा केंद्र थे। इन तार सेवा केंद्रों में 968 कर्मचारी कार्य कर रहे थे।

तार सेवाओं के समाप्त हो जाने के बाद, तार कार्यालयों को बीएसएनएल द्वारा उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयोजनार्थ उपयोग में लाया जा रहा है। पहले तार सेवाओं में कार्य कर रहे कर्मचारियों की सेवा का उपयोग उपभोक्ता सेवा केंद्रों और बीएसएनएल द्वारा बनाए गए अन्य सेवा केंद्रों में किया जा रहा है। तार सेवाएं समाप्त होने के कारण बीएसएनएल के किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं गई है।

(ग): बीएसएनएल ने सूचित किया है कि बीतें समय में तार सेवाओं के उपयोग में कमी आ गई थी जिसके कारण राजस्व अर्जन में कमी हो गई थी और बीएसएनएल को वित्तीय नुकसान हो रहा था। इसलिए बीएसएनएल ने तार सेवाओं के प्रति कम होते आर्कषण को दृष्टिगत रखते हुए और उनके निरंतर प्रचालन से पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव के मद्देनज़र तार सेवाओं को बंद करने का निर्णय लिया। इस सेवा को बंद करने संबंधी निर्णय लेने से पहले कर्मचारी संघों के साथ कोई परामर्श नहीं किया गया।

(घ) एवं (ङ) : संचार की अनेक वैकल्पिक व्यवस्थाएं यथा बुनियादी टेलीफोन, मोबाइल टेलीफोन, ब्रॉडबैंड, ई-मेल, एसएमएस, ई-पोस्ट अब आसानी से उपलब्ध हैं जो तार सेवाओं की तुलना में ज्यादा किफायती, तेज और अधिक विश्वसनीय हैं। यह न्यायालय पर निर्भर करता है कि वह साक्ष्यात्मक न्यायक्षेत्र के पारंपरिक मानदंडों पर आधारित विभिन्न पद्धतियों के माध्यम से संचारित विषय-सामग्री पर साक्ष्य की स्वीकार्यता का मूल्यांकन करे।

****